संपादकीय

पुनर्वितरण ज़रूरी लेकिन विकास की कीमत पर नहीं

हमारी आजादी के बाद के सालों में भारत में आर्थिक विकास के बजाय संपदा के पुनर्वितरण को तरजीह दी गई। हालांकि, ये पुनर्वितरण नीतियां गरीबी के स्तर में गंभीर चोट कर पाने में नाकाम रहीं, और इन्होंने आर्थिक विकास को सुस्त रखा। जहां 90 के दशक की शुरुआत में उदारीकरण की कोशिशों से संपदा के सृजन में विस्फोट हुआ और गरीबी में काफी कमी आई, वहीं उसके बाद के दशकों में इस सुधार के एजेंडे का असर खत्म हो गया। इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च और सुधारों में बढ़ोतरी के नतीजतन जो असरदार विकास हुआ उसकी बुनियाद पर 2000 के दशक के आखिर में भारत में बड़े पैमाने पर पुनर्वितरण नीतियां लाई गईं। हालांकि, वैश्विक वित्तीय संकट के बाद जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था धीमी हुई, सरकारी खर्च का दायरा टिकाऊ नहीं रहा। यहां कहने का मतलब ये नहीं है कि पुनर्वितरण नहीं करना चाहिए। जिन साधनों से पुनर्वितरण किया जाता है वे बड़े महत्वपूर्ण हैं। आईएमएफ के एक पेपर के मुताबिक कैश ट्रांसफर, प्रगतिशील टैक्स व्यवस्था और मानव पूंजी में निवेश ही वे मुख्य साधन हैं जिनके ज़रिए पुनर्वितरण किया जाता है। बेशक, यहां ऐसी सीमाएं हैं जिनमें से पहले और दूसरे साधन का इस्तेमाल किया जा सकता है। मसलन, 1970 के दशक की शुरुआत को ही लीजिए। इस दौरान व्यक्ति गत आयकर का सबसे ऊंचा ब्रैकेट 95 से ज्यादा था। किसी प्रगतिशील टैक्स व्यवस्था में, एक चौड़े टैक्स बेस के जरिए सरकारी राजस्व को बढ़ाने की कोशिशें की जानी चाहिए, न कि मार्जिनल टैक्स रेट्स को बढ़ाकर। ठीक इसी तरह, कैश ट्रांसफर जहां महत्वपूर्ण हैं लेकिन इन्हें सरकारी लाभों और सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने की कोशिशों के साथ किया जाना चाहिए। मानव पूंजी में निवेश की भी नियमित रूप से निगरानी और मूल्यांकन किया जाना चाहिए, सिर्फ इनपुट के लिहाज से ही नहीं बल्कि आउटपुट और नतीजों के लिहाज से भी।

बड़े पैमाने वाले पुनर्वितरण कार्यक्रमों की अपनी वित्तीय लागत भी होती है। सरकारी राजस्व या तो कर राजस्व से आ सकता है या फिर गैर-कर राजस्व से। कर राजस्व भारत में राजस्व का एक बड़ा हिस्सा है। जिसके नतीजतन कर राजस्व हमारी अर्थव्यवस्था की पूरी सेहत से बहुत महत्वपूर्ण रूप से जुड़ा हुआ है। इसका तर्क बड़ा सीधा सा है। जैसे-जैसे लोग ज्यादा कमाते हैं, टैक्स भी उतना ही ज्यादा इकट्ठा किया जाता है। कर संग्रह तंत्र भी खासा महत्वपूर्ण है, जिसे स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना चाहिए। घाटे के वित्तपोषण को तब उपयोग में लाया जाता है जब सरकारी खर्च उसके राजस्व से ज्यादा होता है। इसका मतलब ये है कि सरकार अपने खर्चों को पूरा करने के लिए बाजार से पैसा उधार ले रही है। इसे ही राजकोषीय घाटा कहा गया है।

अब जब हमने ये स्थापित कर लिया है कि टैक्स कलेक्शंस का निर्धारण करने में अर्थव्यवस्था की सेहत बड़ी महत्वपूर्ण है, तो फिर हम अनुमान लगा सकते हैं कि टैक्स कलेक्शन को बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था को बूस्ट करना यानी आर्थिक टुकड़े के आकार को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। नॉर्डिक देशों का ही उदाहरण लीजिए। इन देशों को रहने के लिए लगातार सबसे अच्छी जगहें कहा गया है। फिर भी, उनकी अर्थव्यवस्थाएं सबसे ज्यादा गतिशील भी हैं। इन देशों ने इकोनॉमिक फ्रीडम इंडेक्स में लगातार ऊंचा स्थान पाया है, जो कि एक देश में आर्थिक स्वतंत्रता की हद को मापता है। न्यूजीलैंड, जिसे आर्थिक स्वतंत्रता और ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस इन दोनों सूचकांकों में शीर्ष पर रखा गया है, उसकी अपने मजबूत सोशल सिक्योरिटी नेट्स के लिए काफी तारीफ की गई है। इसलिए, टिकाऊ और परिवर्तनकारी पुनर्वितरण नीतियों को चलाने की चाबी एक मजबूत और गतिशील अर्थव्यवस्था है। भारतीय अर्थव्यवस्था को औपचारिक रूप देने और लंबे समय से चली आ रही अक्षमताओं को दूर करने के लिए, हमारे देश की मौजूदा सरकार ने खासे महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधार, शासनात्मक सुधार और नियामक सुधार किए हैं। *- अमिताभ कांत*

पैंडोरा पेपर्स में सचिन तेंदुलकर का नाम आने से हड़कंप, संपत्ति की जानकारी छिपाने का आरोप

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम पैंडोरा पेपर लीक में सामने आया है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम पैंडोरा पेपर्स की जांच में लिया गया है, जो विदेशी कंपनियों, गुप्त बैंक खातों, निजी जेट, नौकाओं, हवेली और यहां तक कि पाब्लो पिकासो, बैंक्सी और अन्य मास्टर्स की कलाकृतियों के गुप्त मालिकों का पदार्फाश करता है। इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) की रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ तेंदुलकर ही नहीं, बल्कि पॉप संगीत दिवा शकीरा, सुपर मॉडल क्लाउडिया शिफर और एक इटालियन मॉबस्टर भी विदेशी संपत्ति के गुप्त दस्तावेज रखे वाले लोगों में शामिल है। हालांकि तेंदुलकर के वकील ने कहा है कि क्रिकेट खिलाड़ी का निवेश वैध है और कर अधिकारियों को इसकी घोषणा कर दी गई है। शकीरा के वकील ने कहा कि गायिका ने अपनी कंपनियों की घोषणा की, जिसके बारे में वकील ने कहा कि कर लाभ प्रदान न करें। शिफर के प्रतिनिधियों ने कहा है कि सुपरमॉडल ब्रिटेन में अपने करों का सही भुगतान करती हैं, जहां वह रहती हैं।

आईसीआईजे ने 1.19 करोड़ से अधिक गोपनीय फाइलों का भंडार प्राप्त किया और 150 समाचार आउटलेट्स के 600 से अधिक पत्रकारों की एक टीम का नेतृत्व किया, जिन्होंने दो साल तक उनके माध्यम से छानबीन की। पैंडोरा पेपर्स मीडिया जगत के 600 से ज्यादा पत्रकारों की वित्तीय सेवाओं से 1.19 करोड़ दस्तावेजों की जांच पर आधारित है। आईसीआईजे ने हार्ड-टू-फाइंड (मुश्किल से मिलने वाले) स्रोतों को ट्रैक किया और अदालत के रिकॉर्ड और दर्जनों देशों से अन्य सार्वजनिक दस्तावेजों की भी जांच-पड़ताल की।

अधिकांश देशों में, संपत्ति का अपतटीय यानी विदेश में होना या राष्ट्रीय सीमाओं के पार व्यापार करने के लिए शेल कंपनियों का उपयोग करना अवैध नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाले व्यवसायी कहते हैं कि उन्हें अपने वित्तीय मामलों के संचालन के लिए अपतटीय कंपनियों की आवश्यकता है। लेकिन इन मामलों में अक्सर उच्च-कर वाले देशों से मुनाफे को स्थानांतरित करने की राशि होती है, जहां वे कम-कर क्षेत्राधिकार में केवल कागज पर मौजूद कंपनियों के लिए अर्जित किए जाते हैं।

आईसीआईजे ने कहा कि राजनीतिक हस्तियों के लिए अपतटीय आश्रयों का उपयोग विशेष रूप से विवादास्पद है, क्योंकि उनका उपयोग राजनीतिक रूप से अलोकप्रिय या यहां तक कि अवैध रखने के लिए किया जा सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम अचानक से गलत वजह से सुर्खियों में आने से हड़कंप मच गया है।

अमेरिका पहुंचते ही खुली उन्मुक्त चंद की किस्मत, बोले- अब कोई अड़चन नहीं

नई दिल्ली । 2012 में उन्मुक्त चंद ने टीम इंडिया को अंडर-19 वर्ल्ड कप में खिताबी जीत दिलाई थी। उसके बाद से ही उनकी तुलना विराट कोहली से होने लगी। उन्मुक्त को भले ही सीनियर मेंस टीम की ओर इंटरनेशनल करियर का आगाज करने का मौका नहीं मिला, लेकिन कुछ ही सालों में उन्होंने भारतीय क्रिकेट में काफी नाम कमा लिया। उन्मुक्त इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और डोमेस्टिक क्रिकेट में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। हाल में उन्होंने भारत में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया और अमेरिका शिफ्ट हो गए। अमेरिका में उन्मुक्त चंद ने माइनर लीग क्रिकेट में हिस्सा लिया। उन्मुक्त ने टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। सिलिकॉन वैली स्ट्राइकर्स ने माइनर लीग क्रिकेट खिताब अपने नाम कर लिया है। उन्मुक्त ने इस खिताबी जीत के बाद ट्विटर पर टूर्नामेंट्स की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, जहां से आप बिलॉन्ग करते हैं उस जगह पहुंचना बहुत अच्छा लगता है। यहां से अब कोई अड़चन नहीं। माइनर लीग क्रिकेट खिताब जीता।

सोना हुआ महंगा, चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में आज उछाल देखने को मिला है। जिसकी वजह से 24 कैरेट गोल्ड की कीमत आज बढ़कर 46,592 रुपये प्रति दस ग्राम हो गई है। वहीं, चांदी की कीमतों में आज 1,030 रुपये प्रति किलोग्राम उछाल देखी गई है। चांदी 28 सितंबर के बाद एक बार फिर 60 हजार के ऊपर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक 4 अक्टूबर 2021 को देशभर के सर्राफा बाजारों सोने-चांदी के हाजिर भाव इस प्रकार रहे... जारी किए गए रेट देशभर में सर्वमान्य है।

गौतम अडानी की कंपनी का दांव, 26 हजार करोड़ रुपये में पूरी हुई रिन्युएबल एनर्जी की सबसे बड़ी डील

नई दिल्ली । गौतम अडानी की ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने 3.5 अरब डॉलर (26,000 करोड़ रुपये) में एसबी एनर्जी इंडिया का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस सौदे के साथ, एसबी एनर्जी इंडिया अब एजीईएल की 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली कंपनी बन गई है। रिन्युएबल एनर्जी की सबसे बड़ी डील- इसे भारत में रिन्युएबल एनर्जी क्षेत्र का सबसे बड़ा अधिग्रहण माना जा रहा है। इससे पहले, एसबी एनर्जी इंडिया जापान की सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प और भारती समूह के की ज्वाइंट वेंचर थी। इस कंपनी में सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प का 80 प्रतिशत और भारती समूह का 20 प्रतिशत स्वामित्व था। हाल ही में अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने घोषणा की थी कि समूह अगले 10 वर्षों में रिन्युएबल एनर्जी उत्पादन में 20 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा।

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के सीईओ और एमडी विनीत एस जैन ने बयान में कहा कि इस लेनदेन की मदद से कंपनी रिन्युएबल एनर्जी में वैश्विक अगुआ बनने के करीब पहुंच गई है। एसबी एनर्जी इंडिया के पास अपने विशेष प्रयोजन इकाइयों (एसपीवी) के माध्यम से भारत के चार राज्यों में पांच गीगावॉट क्षमता की नवीकरणीय संपत्तियां हैं।

अडानी ग्रीन का शेयर भाव : इस बीच, अडानी ग्रीन एनर्जी का शेयर भाव 1165 रुपए के स्तर पर है। शेयर के भाव में 1.25 फीसदी की तेजी रही। मार्केट कैपिटल की बात करें तो 1,81,910.50 करोड़ रुपए है।

भारतीयों के दिलों में तेज़ी से जगह बना रहा कू एप, एक करोड़ से अधिक लोगों ने जताया भरोसा

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज इलाके के एक होटल में कू ऐप की ओर से पत्रकारों के लिए एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशप में लखनऊ के तमाम पत्रकार शामिल हुए। कू ऐप की ओर से आई टीम ने अपने ऐप की बारीकियां पत्रकारों को समझाई और इस स्वदेशी ऐप के बारे में बताया।

कू ऐप के सीनियर मैनेजर प्रदीप सुरीन ने कहा कि ये ऐप पूरी तरह से स्वदेशी है और एक करोड़ से अधिक लोग इस ऐप पर भरोसा करते हैं। कंपनी के मैनेजर वरुण कुमार ने कहा कि यूपी चुनाव से पहले पत्रकारों के लिए इस ऐप पर आना इसलिए जरूरी है क्योंकि कू ऐप पर यूपी के सीएम, डिप्टी सीएम, मंत्रियों और विधायकों के अलावा तमाम विपक्षी दल भी अपनी आमद दर्ज करा चुके हैं।

वरुण ने कहा कि यूपी के तमाम मीडिया हाउस भी कू ऐप का इस्तेमाल कर रहे हैं और हिंदी भाषा में यूपी के यूजर्स को अपनी खबरें उपलब्ध करा रहे हैं। इस ऐप के जरिए रियल टाइम में लोग, खबरें देख रहे हैं, अपने पसंदीदा नेताओं के विचार जान रहे हैं और अपने विचार भी रख रहे हैं।

एशेज सीरीज पर गहराए संकट के बादल? इस हफ्ते मीटिंग के बाद इसीबी लेगा फैसला

नई दिल्ली । इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज सीरीज पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में है और इंग्लैंड के कई खिलाड़ी इस समय ऑस्ट्रेलिया में लागू कोविड-19 नियमों को लेकर आशंकाएं जता चुके हैं। पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज आठ दिसंबर से शुरू होनी है और यह 18 जनवरी तक चलेगी। लेकिन इस दौरे का भविष्य अभी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि पाबंदियों को देखते हुए इंग्लैंड के कई सीनियर खिलाड़ी बहिष्कार की संभावना पर विचार कर रहे हैं। इस पूरे मामले पर अब इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बयान देते हुए कहा है कि वह इस सप्ताह एक मीटिंग का आयोजन करेगा, जहां तय किया जाएगा कि एशेज दौरे और टीम चयन के लिए ऑस्ट्रेलिया में स्थितियां पर्याप्त हैं या नहीं। ईसीबी ने अपने ऑफिशियल बयान में कहा, हम इस सप्ताह इंग्लैंड के खिलाड़ियों और टीम मैनेजमेंट से बात करने जा रहे हैं, जिससे एशेज दौरे के लिए प्रस्तावित इंतजामों के बारे में लेटेस्ट जानकारी दी जा सके। हम इन इंतजामों पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के साथ नियमित और सकारात्मक बातचीत कर रहे हैं, क्योंकि इसमें लगातार डेवलपमेंट सामने आ रही है। हमारे लिए सबसे आगे खिलाड़ियों की हेल्थ और उनकी भलाई है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि यह दौरा उन शर्तों के साथ आगे बढ़े, जहां खिलाड़ी और मैनेजमेंट अपना बेस्ट प्रदर्शन कर सके।% अगले महीने शुरू होने वाला टी-20 वर्ल्ड कप संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में खेला जाना है। यह टूर्नामेंट बायो बबल के सुरक्षित माहौल में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में खेलने के बाद इंग्लैंड के सभी फॉर्मेट में खेलने वाले खिलाड़ी अगर ऑस्ट्रेलिया जाते हैं तो उन्हें लगभग चार महीने तक जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया ने साल के अंत तक सीमा और क्वारंटाइन नियमों में ढ़ील की योजना बनाई है।

आज का राशिफल

मेष: आज आपका दिन मध्यम फलदायी रहेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है। आप शारीरिक थकान का अनुभव करेंगे। संभव हो तो प्रवास टालें।

वृष: आज आपका दिन मध्यम फलदायी रहेगा। आप किसी भी कार्य को दृढ़ मनोबल एवं पूर्ण विश्वास के साथ कर पाएंगे।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए अच्छा और लाभदायी होगा। मित्र, बंधु-बांधवों एवं पड़ोसियों के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। आर्थिक रूप से आज आप सजग रहेंगे।

कर्क: आज का दिन मध्यम फलदायी है। आज आपके मन में ग्लानि रहेगी। जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको संतोष नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा।

सिंह: आज आपका दिन शुभ फलदायी होगा। आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। हर कार्य को दृढ़ निश्चय के साथ संपन्न कर पाएंगे। सरकारी कार्यों में तथा सरकार से लाभ होगा।

कन्या: आपका दिन शारीरिक एवं मानसिक चिंता के बोझ तले दबकर बीतेगा। कोर्ट-कचहरी में सावधानी रखें। आकस्मिक धन खर्च होगा।

तुला: आज का दिन शुभफलदायी है। आज आपको भिन्न-भिन्न लाभ होने के योग हैं। धनप्राप्ति के योग हैं। व्यापारी वर्ग को अच्छा लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक: आज का दिन शुभफलदायी है। आपके गृहस्थजीवन में आनंद और उल्लास बना रहेगा। आपके सभी कार्य बिना अवरोध के संपन्न होंगे। मान-सम्मान मिल सकता है।

धनु: आज आपके शरीर में थकान रहेगी। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम रहेगा। मन में चिंता और व्याकुलता रहेगी। संतान के विषय में चिंता होगी।

मकर: आपकी ऑफिस एवं व्यवसाय क्षेत्र में आज परिस्थिति अनुकूल रहेगी। ऑफिस के कार्य आप निपुणता से कर पाएंगे।

कुंभ: आज आपमें दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास छलकता हुआ नजर आएगा। प्रणयप्रसंग आपके दिन को आनंदित बनाएंगे।

मीन: आज आप का दिन शुभफलदायी है। आरोग्य खूब अच्छा रहेगा। घर में शांति और आनंद का वातावरण बना रहेगा। दैनिक कार्य अच्छी तरह से कर पाएंगे।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार

गोविंदा को बॉलीवुड में किसी परिचय की जरूरत नहीं है। अपने डांस, स्टाइल और कॉमेडी से उन्होंने लाखों दिलों पर राज किया है। इस अभिनेता ने इंडस्ट्री को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। ये अलग बात है कि हाल के दिनों में गोविंदा का जादू फीका रहा है। अब जानकारी सामने आ रही है कि गोविंदा के बेटे यशवर्धन जल्द बॉलीवुड में कदम रखने वाले हैं। इस संबंध में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने खुलासा किया है।

सुनीत ने बताया कि उनके बेटे यशवर्धन जल्द बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। उन्होंने कहा, लॉकडाउन के कारण यशवर्धन की बॉलीवुड डेब्यू में देरी हुई है। फिलहाल हम कुछ लोगों से उनकी लॉन्चिंग को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हम एक अच्छे प्रोडक्शन हाउस के साथ-साथ एक अच्छी कहानी की तलाश में हैं क्योंकि यह उनकी पहली फिल्म होगी।

सुनीता अपने बेटे यशवर्धन को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनका बेटा यशवर्धन फिल्मों में कदम रखने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। सुनीता ने कहा, यशवर्धन अपनी शारीरिक संरचना को बदलने के लिए प्रयासरत है। वह अभिनय सीखने, नृत्य करने और अन्य कामों को पूरा करने में व्यस्त है। हम बहुत जल्द ही उन्हें लॉन्च करेंगे। फैंस भी यशवर्धन की लॉन्चिंग का इंतजार कर रहे हैं।

जल्द ही पर्दे पर फिर दिख सकती है रितेश और जेनेलिया की जोड़ी

जब भी बॉलीवुड की लोकप्रिय जोड़ियों की बात होती है तो रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा का जिक्र जरूर होता है। ना सिर्फ रियल लाइफ, बल्कि रील लाइफ में उनकी जोड़ी प्रशंसकों को खूब भाती है। अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक रितेश-जेनेलिया के फैंस खुशी से झूम उठेंगे। दरअसल, जल्द ही यह जोड़ी पर्दे पर फिर दर्शकों का मनोरंजन करती दिख सकती है। खुद जेनेलिया ने यह खुलासा किया है।

उन्होंने कहा, उम्मीद है जल्द ही ऐसा होगा। ऐसा होने वाला है। जल्द ही से मेरा मतलब है कि साल के अंत तक। जेनेलिया के इस खुलासे के बाद प्रशंसक बेशक उनकी नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार करेंगे। इससे पहले जेनेलिया ने कहा था कि वह रितेश संग काम करने को बेताब हैं। बस उन्हें एक अच्छी कहानी का इंतजार है।

बनाएं और खाएं जायकेदार आलू टिक्का

डिनर के लिए हो, स्नैक्स या फिर टिफिन के लिए, आलू टिक्का हर एक के लिए है परफेक्ट। जिसे खाने में तो मजा आता ही है साथ ही बनाने में भी बहुत ज्यादा वक्त नहीं लगता।

सामग्री :

बेबी पोटैटो- 15-20, शिमला मिर्च- 1 चौकोर कटी हुई, प्याज- 1 चौकोर टुकड़ों में कटी

मैरिनेशन के लिए- सरसों का तेल- 2 चम्मच, गाढ़ी दही- 1/2 कप, भुना हुआ बेसन- दो चम्मच, अदरक- 1 चम्मच कद्दूकस किया, लहसुन- 1 चम्मच कद्दूकस किया, लाल मिर्च पाउडर- 1 टेबलस्पून, अचारी मसाला- 1 टेबलस्पून, काला नमक- 1/4 टीस्पून, अमचूर पाउडर- 1 टीस्पून, हल्दी- 1/8 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1 टीस्पून, नमक-स्वादानुसार

विधि :

आलू को ठंडे पानी से धोकर उसमें फोर्क की मदद से हल्के छेद कर लें।

अब आलू को उबालकर, छील लें। पैन गरम कर उसमें सरसों तेल गर्म कर लें। गैस बंद कर इसे थोड़ा ठंडा होने दें। अब बाउल में मैरिनेशन की सारी सामग्री डालकर अच्छे से मिक्स करें फिर इसमें ठंडा हो चुका सरसों तेल डालें। हल्का सा चखकर स्वादानुसार मसालों की मात्रा बढ़ा सकते हैं। अब अगर एयर फ्रायर में बनाने वाले हैं तो उसमें अटैच बर्तन में हल्का सा तेल लगाकर सारी चीज़ों को रख दें। बेक करने के लिए माइक्रोवेव की जरूरत होगी। तो जैसा आपको पसंद है वैसे आप इसे रेडी कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य- 221

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

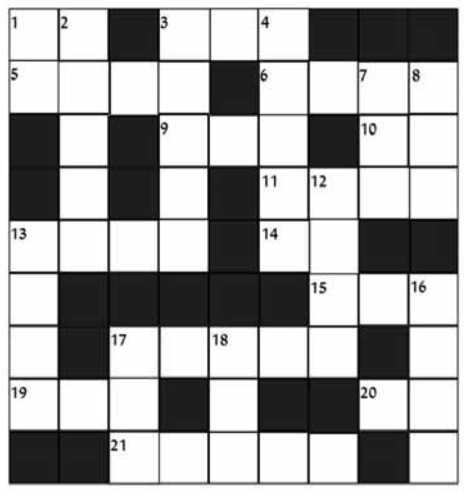

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 220 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

सू-दोकू- 221

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.220 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6